रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99



सी.जी.-डी.एल.-अ.-28082024-256690 CG-DL-E-28082024-256690

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3305]

No. 33051

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 27, 2024/भाद्र 5, 1946 NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 27, 2024/BHADRA 5, 1946

कोयला मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली. 27 अगस्त. 2024

का.आ. 3622(अ).— -केंद्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 9 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत सरकार के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 09 फरवरी, 2024 द्वारा प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 581 (अ), तारीख 09 फरवरी, 2024 के प्रकाशन पर उक्त अधिसूचना में माप वाली भूमि 273.91 हेक्टेयर (लगभग) या 676.83 एकड़ (लगभग) की विनिर्दिष्ट भूमि और ऐसी भूमि (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है), में के या उस पर के सभी अधिकार, उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के सभी विल्लंगमो से मुक्त होकर, आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए हैं:

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है, कि नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, जिला सिंगरौली, मध्यप्रदेश (जिसे इसमें इसके पश्चात् सरकारी कंपनी कहा गया है), ऐसे निबंधनों और शर्तो का, जिन्हें केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना उचित समझे, अनुपालन करने के लिए सहमत हैं;

5439 GI/2024 (1)

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि इस प्रकार निहित भूमि 273.91 हेक्टेयर (लगभग) या 676.83 एकड़ (लगभग) माप वाली उक्त भूमि में के या उस पर के सभी अधिकार तारीख 09 फरवरी, 2024 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने के बजाय, निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सरकारी कंपनी में निहित हो जाएंगे. अर्थात:-

- (1) सरकारी कंपनी, उक्त अधिनियम और अन्य सुसंगत विधियों के उपबंधों के अधीन यथा अवधारित प्रतिकर, ब्याज, क्षतियों और वैसी ही मदों की बाबत किए गए सभी संदाय करेगी;
- (2) उक्त अधिनियम की धारा 14 के अधीन एक अधिकरण का गठन किया जाएगा, जिसमें शर्त (1) के अधीन सरकारी कंपनी द्वारा संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए और ऐसे किसी अधिकरण और उक्त अधिकरण की सहायता करने के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, उक्त सरकारी कंपनी द्वारा वहन किये जाएंगे, और इसी प्रकार निहित उक्त भूमि में अथवा उस पर के अधिकारों के लिए या उनके संबंध में अपील आदि सभी विधिक कार्यवाहियों की बाबत उपगत, सभी व्यय भी, सरकारी कंपनी द्वारा वहन किये जाएंगे;
- (3) सरकारी कंपनी, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में क्षतिपूर्ति करेगी, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरूद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो:
- (4) सरकारी कंपनी को केंद्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, उक्त भूमि में और उसके उपर के निहित अधिकारों को किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी: और
- (5) सरकारी कंपनी, ऐसे निर्देशों और शर्तों का पालन करेगी, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए दिए जाएं या अधिरोपित की जाएं।

[फा.सं. 43015/14/2020-एलएएण्डआईआर]

भबानी प्रसाद पति, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COAL NOTIFICATION

New Delhi, the 27th August, 2024

S.O.3622 (E).- Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, number S.O. 581(E), dated the 09th February, 2024, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 09th February, 2024, issued under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the land and all rights in or over the land measuring 273.91 hectares (approximately) or 676.83 acres (approximately) described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said land) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of section 10 of the said Act;

And whereas the Central Government is satisfied that the Northern Coalfields Limited, District Singrauli Madhya Pradesh (hereinafter referred to as the Government company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the land measuring 273.91 hectares (approximately) or 676.83 acres (approximately) and all rights in or over the said land so vested shall with effect from the 09th February, 2024, instead of continuing to so vest in the Central Government, shall vest in the said Government company, subject to the following terms and conditions, namely:-

- (1) The Government company shall make all payments in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act and other relevant laws:
- (2) A Tribunal shall be constituted under section 14 of the said Act, for the purpose of determining the amounts payable by the Government company under condition (1) and all expenditure incurred in connection with any such Tribunal and persons appointed to assist the Tribunal shall be borne by the Government company and similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc., for or in connection with the rights, in or over the said land, so vested, shall also be borne by the Government company;
- (3) The Government company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings by or against the Central Government or its officials regarding the rights in or over the said land so vested;
- (4) The Government company shall have no power to transfer the said lands and the rights to any other persons without the prior approval of the Central Government; and
- (5) The Government company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands as and when necessary.

[F. No. 43015/14/2020-LAIR] BHABANI PRASAD PATI, Jt Secy.